

कारूँ पुं. (अर.) 1. हजरत मूसा का चचेरा भाई जो बड़ा धनी था, पर खैरात नहीं करता था, कहा जाता है 40 खच्चरों पर उसके खजानों की कुंजियाँ चलती थी, कंजूसी के कारण अब उसके नाम का अर्थ ही कंजूस पड़ गया है मुहा. कारूँ का खजाना- असीम धन, अनंत संपत्ति, कुबेर की सी संपत्ति 2. कंजूस, मक्खीचूस, कृपण।

कारुणिक वि. (तत्.) 1. करुणायुक्त 2. कृपालु, दयालु।

कारोबार पुं. (फा.) दे. कारबार।

कार्क पुं. (अ.) एक प्रकार की बहुत ही हल्की लकड़ी की छाल जिससे बोतल में लगाने की डाट बनती है।

कार्ड पुं. (अं.) 1. मोटा कागज, मोटे कागज का तख्ता 2. पत्ते का कागज 3. छोटे तथा मोटे कागज पर लिखा हुआ खुला पत्र जैसे- पोस्टकार्ड, विजिटिंग कार्ड, प्लेइंग कार्ड।

कार्तवीर्य पुं. (तत्.) कृतवीर्य का पुत्र सहस्रार्जुन जो तंत्रशास्त्र का आचार्य माना जाता है, इसके हजार हाथ थे, इसका वध परशुराम ने किया था।

कार्तिक पुं. (तत्.) 1. एक चंद्रमास जो आश्विन और अग्रहायण के बीच में पड़ता है 2. वह संवत्सर जिसमें बृहस्पति कृत्तिका या रोहिणी नक्षत्र में हो, वार्हस्पत्य वर्ष 3. कुमार स्कंद का एक विशेषण।

कार्तिकी स्त्री. (तत्.) कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि।

कार्तिकेय पुं. (तत्.) कृत्तिका नक्षत्र में उत्पन्न होने वाले स्कंद, षडानन।

कार्तिकेयप्रसू स्त्री. (तत्.) कार्तिकेय की माता, पार्वती।

कार्पण्य पुं. (तत्.) 1. कृपण होने का भाव, कृपणता, कंजूसी 2. दया, सहानुभूति 3. गरीबी, निर्धनता।

कार्पास पुं. (तत्.) 1. कपास का बड़ा कपड़ा 2. कपास 3. कागज।

कार्पासिक वि. (तत्.) कपास से या कपास का बना हुआ।

कार्पासिका स्त्री. (तत्.) कपास का पौधा।

कार्पेट पुं. (अं.) कालीन, गलीचा।

कार्बन पुं. (अं.) दे. कारबन।

कार्मिक पुं. (तत्.) 1. कार्य में संलग्न व्यक्ति, काम करनेवाला, सेवारत कर्मचारी 2. वह वस्त्र जिसमें बुनावट में ही शंख, चक्र स्वस्तिक आदि के चिह्न बने हों 3. रंगीन सूत मिला गोटे का काम वि. 1. कर्मशील 2. निर्मित, कृत, बनाया हुआ 3. बीच बीच में रंगीन सूत मिला गोटेदार (कपड़ा) 4. अनेक रंगों या डिजायनों के योग से बुना हुआ।

कार्य पुं. (तत्.) 1. काम 2. व्यापार, धंधा 3. वह जो कारण से उत्पन्न हो, वह जो कारण का विकार हो, जो कारण के बिना न हो 4. फल, परिणाम 5. नाटक का अंतिम फल 6. आचरण वि. 1. करने योग्य 2. बनाने योग्य।

कार्यकर वि. (तत्.) 1. उपयोगी, उपादेय 2. काम करनेवाला।

कार्यकर्त्ता पुं. (तत्.) 1. काम करनेवाला, कर्मचारी 2. मित्र, हितकारी।

कार्यकारणभाव पुं. (तत्.) 1. कार्य और कारण का संबंध 2. किसी कार्य का विशेष कारण।

कार्यकारण संबंध पुं. (तत्.) कार्य और कारण का पारस्परिक योग।

कार्यकाल पुं. (तत्.) 1. काम करने का समय 2. सुअवसर 3. किसी पद या स्थान पर रहने का समय।

कार्यक्रम पुं. (तत्.) कार्य की सूची, दिए जाने वाले या होनेवाले कामों का क्रम या व्यवस्था। programme

कार्यक्षेत्र पुं. (तत्.) कर्मभूमि।

कार्यगौरव पुं. (तत्.) 1. कार्य का महत्व 2. कार्य की पूर्ति के प्रति आदर।

कार्यदर्शी पुं. (तत्.) काम की देख-भाल करने वाला सचिव, निरीक्षक।

कार्यपद्धति स्त्री. (तत्.) काम करने का ढंग।

कार्यभंशकारी वि. (तत्.) काम बिगाड़नेवाला।

कार्यवाही स्त्री. (तत्.) 1. संस्था या सभा में किसी विषय पर हुआ वाद-विवाद या चर्चा 2. कार्रवाई।